Introduction

Content: आज विश्व विज्ञान और तकनीक की शक्ति से परिचित और संचालित है| भाषा का दायित्व ऐसे काल में और अधिक हो जाता है ताकि उसकी प्रशासन, ज्ञान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता प्रमाणित हो सके| बी.ए. प्रोग्राम प्रयोजनमूलक हिन्दी वर्तमान समय में हिन्दी को व्यावसायिक तथा प्रशासन की भाषा के रूप में स्थापित करने वाला पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों को बाजार, विज्ञापन, मीडिया के सभी रूपों इंटरनेट और जनसंपर्क तथा जनसंवाद में कौशल देने हेतु तैयार किया गया है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार की नई संभावनाओं को उपलब्ध कराना है । विद्यार्थी हिन्दी भाषा के अध्ययन के माध्यम से रेडियो एवं प्रिंट पत्रकारिता, सिनेमा, अनुवाद एवं वेब-डिजाइनिंग जैसे विषयों के साथ जुड़कर इन क्षेत्रों में अभिव्यक्ति करने में सक्षम हो सकें तथा व्यावसायिक रूप से समर्थ बन सके, यही पाठ्यक्रम की शक्ति होगी |

Learning Outcome based approach to Curriculum Planning

>> Aims of Bachelor's degree programme in B.A. (Programme) Prayojanmoolak Hindi

Content: बी.ए. प्रयोजनमूलक हिन्दी का उद्देश्य विद्यार्थी को बाजार के अनुकूल भाषा की प्रयोजनीयता से परिचित कराना है| इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं परिणाम निम्न होंगे--

1. हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक पक्षों से परिचय जिससे शिक्षण एवम प्रशिक्षण के फलस्वरूप छात्र हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित हो पाएँगे|

2. यह पाठ्यक्रम हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसे पढ़कर विद्यार्थी मीडिया के सभी रूपों जैसे दृश्य-श्रव्य माध्यम यथा सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो एवम प्रिंट पत्रकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में लिखने तथा कार्यक्रम निर्माण में सक्षम हो सकेंगे|

3. अनुवाद एवं कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग इस पाठयक्रम की मुख्य विशेषताएँ हैं।वेब डिजाईनिंग तथा इंटरनेट पर हिन्दी का प्रयोग भी यह पाठयक्रम सिखाता है । जनसंपर्क एवम विज्ञापन लेखन इसकी अन्य विशेषताएँ हैं।

4. छात्रों की कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता को यह पाठ्यक्रम नए आयाम देता है । खास तौर पर उन्मुक्त कल्पना तथा रचनात्मकता के साथ-साथ विशेष कार्यक्रमों के लिए कंटेन्ट लिखने का कौशल प्रदान करता है ।

Graduate Attributes in Subject

>> Disciplinary knowledge

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी द्वारा तकनीकी एवं कंप्यूटर ज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी , वाणिज्य आदि विषयों का अन्योन्याश्रित ज्ञान विकसित होगा

Graduate Attributes in Subject

>> Communication Skills

Content: पाठ्यक्रम के अध्ययन से लेखन कौशल व संवाद कौशल का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Critical thinking

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में विशेष आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Problem solving

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में कार्यालयी एवं भाषायी समस्या हल करने की विशेष योग्यता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject

>> Research-related skills

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में शोधपरक दृष्टि का विकास होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Reflective thinking

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से संवाद और लेखन क्षमता विकसित होगी |

Graduate Attributes in Subject

>> Information/digital literacy

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से तकनीकी व डिजिटल माध्यमों से विशेष परिचय प्राप्त होगा |

Graduate Attributes in Subject

>> Moral and ethical awareness/reasoning

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से व्यावहारिक नैतिकता व सत्यनिष्ठा जैसे विशेष मूल्य विद्यार्थियों में विकसित होंगे |

Graduate Attributes in Subject

>> Multicultural competence

Content: प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन से विद्यार्थियों में बहु-सांस्कृतिक मूल्य व उसके साथ कार्य करने के विशेष गुण विकसित होंगे |

Qualification Description

Content: 10+2 या समकक्ष

Programme Learning Outcome in course

Content: 1.प्रशिक्षण के फलस्वरूप छात्र हिन्दी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से परिचित हो पाएँगे|

2. मीडिया के सभी रूपों जैसे दृश्य-श्रव्य माध्यम, सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो एवं प्रिंट पत्रकारिता में विभिन्न क्षेत्रों में लिखने तथा कार्यक्रम निर्माण में सक्षम हो सकेंगे|

3. अनुवाद एवं कम्प्यूटर पर हिन्दी का प्रयोग इस पाठयक्रम की मुख्य विशेषताएँ हैं। वेब डिजाईनिंग तथा इंटरनेट पर हिन्दी का प्रयोग भी यह पाठ्यक्रम सिखाता है ।

4. जनसंपर्क एवं विज्ञापन लेखन की क्षमता विकसित होगी |

Teaching-Learning Process

Content: • सामूहिक चर्चा-परिचर्चा

• विज्ञापन का व्यावहारिक रूप से अध्ययन

• रेडियो एवं टेलीविज़न पर कार्यक्रम लेखन एवं प्रस्तुति की व्यावहारिक जानकारी

• प्रिंट मीडिया हेतु समाचार,फीचर तथा विविध स्तंभों के लिए लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• कम्प्यूटर का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण

• सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन

• विविध संचार माध्यमों के कार्यालयों का शैक्षिक परिभ्रमण

• आशु प्रस्तुति

Assessment Methods

Content: मूल्याँकन के लिए निम्नांकित प्रविधियों का उपयोग किया जाएगा--

• लिखित परीक्षा

• परियोजना कार्य

• सर्वेक्षण

• कक्षा में किसी समाचार अंश को विश्लेषित करना

• समूह में किसी विषय पर चर्चा करना

• फीडबैक प्राप्त करना

• पीपीटी प्रेजेंटेशन करवाना

• हिंदी भाषा का अभ्यास करवाना

• हिंदी भाषा के व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य

• दिए गए पाठों का माध्यम के अनुसार रूपांतरण का अभ्यास

• विविध माध्यमों के लिए लेखन का अभ्यास

• विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया का अभ्यास

प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुवाद और अनुवाचन (BAPPHCC03)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

प्रयोजनमूलक हिन्दी की स्थिति का अध्ययन

अनुवाद और अनुवाचन से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक क्षमता विकसित करना

Course Learning Outcomes

अनुवाद और अनुवाचन से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक क्षमता विकसित होगी

रोजगारपरक अध्ययन का विकास

Unit 1

प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद का अंत:संबंध

प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और क्षेत्र

अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद

Unit 2

अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया

अनुवाद प्रक्रिया के चरण

अंग्रेजी-हिंदी व्यावहारिक अनुवाद : समस्या और सीमाएँ

अनुवाद के उपकरण एवं साधन

Unit 3

तत्काल भाषांतरण और अनुवाद

तत्काल भाषांतरण : अवधारणा, स्वरूप और महत्व

तत्काल भाषांतरण की प्रक्रिया एवं क्षेत्र

तत्काल भाषांतरण और अनुवाद में साम्य-वैषम्य

Unit 4

हिंदी के विविध क्षेत्र और व्यावहारिक अनुवाद

प्रशासनिक हिंदी और अनुवाद

शब्दावली, टिप्पणी, प्रयुक्ति, विभिन्न पत्र, पदनाम, अनुभाग नाम, संक्षिप्ताक्षर आदि के अनुवाद

बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य क्षेत्र में अनुवाद

शब्दावली और अनुवाद

अनुच्छेदों, प्रयुक्तियों आदि के अनुवाद

विधि क्षेत्र में अनुवाद

विधि शब्दावली का अनुवाद

विधि सामग्री का अनुवाद

सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अनुवाद

खान-पान की शब्दावली और अनुवाद

रिश्ते-नातों की शब्दावली और अनुवाद

पर्व-उत्सवों तथा संस्कारों आदि की भाषा और अनुवाद

मुहावरों-लोकोक्तियों के अनुवाद

संचार माध्यम और अनुवाद (प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का संदर्भ)

समाचार लेखन, वाचन और अनुवाद

विज्ञापन-निर्माण और अनुवाद प्रक्रिया

आँखों देखा हाल, उद् घोषणा और अनुवाद

मीडिया की अन्य सामग्री और अनुवाद

साहित्यिक अनुवाद

काव्यानुवाद

गद्यानुवाद

References

1. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग, कैलाशचन्द्र भाटिया

2. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप, कैलाशचन्द्र भाटिया

3. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, हरिमोहन

4. अनुवाद शास्त्र : व्यवहार से सिद्धांत की ओर, हेमचन्द्र पांडे

5. सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद, सुरेश सिंहल

Additional Resources:

अनुवाद प्रक्रिया, रीतारानी पालीवाल

अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, रमण सिन्हा

भाषांतरण कला – एक परिचय, मधु धवन

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और क्षेत्र अध्ययन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

प्रयोजनमूलक हिन्दी संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी अनुप्रयोग : तकनीकी संसाधन एवं उपकरण (BAPPHCC04)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

तकनीकी क्षेत्र का व्यावहारिक ज्ञान देना

कंप्यूटर, इंटरनेट और कोश आदि की क्षमता विकसित करना

Course Learning Outcomes

रोजगारपरक तकनीकी क्षेत्र जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट और कोश विज्ञान आदि की क्षमता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

(क) कम्प्यूटर परिचय

कम्प्यूटर की विकास यात्रा

कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली

कम्प्यूटर के विभिन्न घटक

कम्प्यूटर की संरचना (हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की भूमिका)

(ख) भाषाई कम्प्यूटर

यूनीकोड पूर्व

यूनीकोड की वर्तमान स्थिति

भाषाई कम्प्यूटर का भविष्य

हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन के आवश्यक औजार (वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन, विविध तकनीक)

Unit 2

इंटरनेट का इतिहास और बदलता स्वरूप

इंटरनेट के बौद्धिक, निजी, सामुदायिक समूहों का परिचय

हिंदी विकीपीडिया का इस्तेमाल और उसकी विकास प्रक्रिया का अध्ययन

एनकोडिंग, फ़ाइल शेयरिंग, फ़ाइल कन्वर्जन

साइबर क्राइम, क़ानून तथा आचार-संहिताएँ

Unit 3

प्रायोगिक कार्य और इंटरनेट

एम. एस. ऑफिस का अध्ययन (हिंदी के विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)

हिंदी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेज मेकर में कार्य

ब्लॉग – प्रकाशन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, इंटरनेट पर सामग्री-सृजन, यू-ट्यूब

विभिन्न कम्प्यूटर मशीनों पर कार्य

Unit 4

कोश

कोश : प्रयोजन तथा महत्व

कोश प्रयोग विधि

कोश के प्रकार – सामान्य कोश, विश्वकोश, समान्तर कोश, मुहावरा लोकोक्ति कोश, तकनीकी कोश आदि

References

1. कम्प्यूटर एक परिचय, सं. संतोष चौबे
2. एम एस ऑफिस – विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, ब्रूस स्टर्लिंग

कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन

समान्तर कोश, अरविन्द कुमार

तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधीच

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

प्रयोजनमूलक हिन्दी संबंधी पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी भाषा : अनुप्रयोग के क्षेत्र (BAPPHCC01)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के विविध व्यावहारिक एवं प्रायोगिक पक्षों को ध्यान में रखते हुए भाषा के व्यावहारिक तथ्यों से अवगत करने हेतु छात्रों को रोजगारपरक उपभोक्ता बाजार की पहचान एवं कार्यान्वयन करना ही मुख्य उद्देश्य रहा है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । बाज़ारवाद में भाषा की पकड़ रखने वाले कर्मियों की नितांत आवश्यकता है इसीलिए राजभाषा, मानक भाषा, विधि क्षेत्र में, विज्ञापन में, खेलकूद आदि विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है । इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सैद्दांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना रहा है ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा व्यावहारिक एवं व्यवसाय के अनुरूप रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।
2. भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
3. उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
4. छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।
5. आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।

Unit 1

1. भाषा के विविध आयाम

- सामान्य भाषा –सम्प्रेषणमूलकता, भाषिक रूपों की विविधता, अर्थ की एकरूपता लक्षणा और व्यंजना का रूढ़ प्रयोग
- रचनात्मक भाषा – अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग
- सीमित कोड, विस्तृत कोड की अवधारणा
- प्रयोजनमूलक भाषा – मानक भाषा की अवधारणा, अर्थ की सुनिश्चितता, सम्प्रेषणमूलकता, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग

Unit 2

2. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र : (क) राजभाषा के रूप में हिंदी

- राजभाषा का अर्थ एवं महत्व
- प्रशासनिक भाषा का स्वरुप
- विधि क्षेत्र में हिंदी
- पारिभाषिक शब्दावली – हिंदी की प्रकृति और पारिभाषिक शब्द की निर्माण – प्रक्रिया

Unit 3

3. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र (ख) व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी

- व्यावसायिक क्षेत्र की भाषा – बैंक, बीमा, मीडिया
- विज्ञापन एवं बाज़ार की हिंदी
- प्रस्तुति - कलाओं में हिंदी
- खेलकूद में हिंदी

Unit 4

4. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र (ग) शिक्षा तथा विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी

- शिक्षा - माध्यम के रूप में हिंदी
- वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी
- मानविकी - अध्यापन में हिंदी का प्रयोग
- वाणिज्य - अध्यापन में हिंदी का प्रयोग

References

1. भाषा स्वरुप और संरचना – हेमचंद्र
2. मानक हिंदी : संरचना एवं प्रयोग – रामप्रकाश
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं प्रयोग – दंगल झाल्टे

Additional Resources:

1. व्यावहारिक राजभाषा कोश – दिनेश चमोला
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – रघुनन्दन प्रसाद शर्मा

Teaching Learning Process

पाठ्यक्रम को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु सिद्धांत के अतिरिक्त 'व्यावहारिकता' पर अधिक बल देना चाहिए । पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य –श्रव्य माध्यम इत्यादि के द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है । सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

'सम्प्रेषण', 'व्यावहारिक' 'प्रयोजन', 'राजभाषा', 'प्रशासनिक', 'पारिभाषिक', 'शब्दावली', 'आयाम'

हिंदी भाषा : कार्यालयी लेखन (BAPPHCC02)Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

कार्यालयी हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

कार्यालयी आवश्यकताओं और व्यावहारिक शब्दावली से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान होगा

कार्यालय के कंटेन्ट और शब्दावली से परिचय होगा

Unit 1

कार्यालयी भाषा : सामान्य परिचय

कार्यालय : अवधारणा एवं परिचय

कार्यालयी कार्य पद्धति

कार्यालयी भाषा : परिभाषा, अवधारणा और संरचना

कार्यालयी भाषा की विशेषताएं

कार्यालय की आचार-संहिता

Unit 2

कार्यालयी पत्र

आधुनिक युग में कार्यालयी पत्र का स्वरूप और महत्व

कार्यालयी पत्रों की प्रमुख विशेषताएं, कार्यालयी पत्र के प्रकार

कार्यालय में प्राप्त पत्रों का अध्ययन, टिप्पण और सुझाव

पत्रोत्तर और नए पत्रों का लेखन (प्रारूपण)

Unit 3

कार्यालयी पत्रों की लेखन-विधि

सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग

कार्यालयी पत्र-लेखन के विभिन्न चरण

प्रारूपण, टिप्पण

प्रेस-विज्ञप्ति, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन-लेखन

अन्य कार्य – नोटशीट, फाईलिंग आदि

Unit 4

कार्यालयी प्रयुक्तियाँ : अवधारणा एवं महत्व

विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (अंग्रेजी-हिंदी)

विशिष्ट कार्यालयी शब्दावली : 100 (हिंदी-अंग्रेजी)

References

1. प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

2. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कृष्ण कुमार गोस्वामी

Additional Resources:

सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, गोपीनाथ श्रीवास्तव

विशिष्ट पत्र-लेखन, रूपचंद्र गौतम

कार्यालयी हिंदी, हरिबाबू कंसल

आजीविका साधक हिंदी, पूरनचंद टंडन

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कार्यालयी शब्दावली

मनोरंजन उद्योग और हिंदी (BAPPHDSE01)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

मनोरंजन-उद्योग की स्थिति का अध्ययन : क्षेत्र और विस्तार

सिनेमा और हिंदी गीत, धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी

Course Learning Outcomes

भारतीय मनोरंजन-उद्योग की स्थिति का अध्ययन

हिन्दी सिनेमा और हिंदी गीतों की समझ

धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी की स्थिति को जानना

Unit 1

1. मनोरंजन की भाषा के रूप में हिंदी

मनोरंजन की अवधारणा और स्वरूप

मनोरंजन और भाषा की संप्रेषणीयता

मनोरंजन की भाषा और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मिश्रण

Unit 2

2. रेडियो और हिंदी भाषा

एफ. एम. चैनलों की हिंदी

आकाशवाणी के अन्य चैनलों की हिंदी

रेडियो समाचारों की भाषा

रेडियो के अन्य कार्यक्रमों में प्रयुक्त हिंदी

Unit 3

3. इंटरनेट और हिंदी भाषा

एस. एम. एस. की हिंदी

यू-ट्यूब और हिंदी

ट्विटर की हिंदी – वाट्सअप की हिंदी

ब्लॉग और फेसबुक में प्रयुक्त हिंदी

Unit 4

4. मनोरंजन-उद्योग में हिंदी-प्रयोग

मनोरंजन-उद्योग के विभिन्न क्षेत्र और विस्तार

सिनेमा और हिंदी

ऐतिहासिक-पौराणिक, सामाजिक धारावाहिकों और रियल्टी-शो में प्रयुक्त हिंदी

फ़िल्मी गीतों की हिंदी (रोमांटिक, देशभक्ति, समूह-गीत और आइटम गीत)

References

उत्तर-आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव

नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता, कृष्ण कुमार रत्तू

Additional Resources:

पटकथा कैसे लिखें, राजेन्द्र पांडे

मीडिया समग्र-खण्ड, प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी

हिंदी सिनेमा का सफरनामा, जय सिंह

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक परिचर्चा, फिल्म आदि विधाओं का प्रदर्शन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मनोरंजन जगत की शब्दावली

विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी और हिंदी (BAPPHDSE04)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

प्रत्येक भाषा की अपनी एक वैज्ञानिकता होती है. हिंदी भाषा भी इससे अछूती नहीं. लेकिन हिंदी को भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से समृद्ध बनाने और इसे रोजगारपरक बनाने के लिए इसे सूचना-प्रौद्योगिकी और आज की तकनीक से जोड़ना आवश्यक है. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा को इसी वैज्ञानिकता से जोड़ने और उसे बाजार की भाषा बनाने से है. जिससे इसको पढ़ने - लिखने वाले छात्र इसकी तकनीक को समझकर इसे समयोपयोगी बना सके.

Course Learning Outcomes

इसको पढ़ने के बाद छात्र को सूचना -प्रौद्योगिकी की भाषा का ज्ञान हो सकेगा । तकनीक के क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दावली का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा ।

Unit 1

1. एक भाषा के रूप में हिंदी.

2. हिंदी भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन.

3. सूचना-प्रौद्योगिकी और हिंदी.

4. तकनीक में हिंदी का उपयोग.

5. हिंदी भाषा के विभिन्न वैज्ञानिक उपकरण.

Unit 2

1. विज्ञान की भाषा और हिंदी.

2. तकनीक की भाषा और हिंदी.

3. सूचना-प्रौद्योगिकी और हिंदी.

4. सोशल मीडिया के विभिन्न उपकरण.

5. सोशल मीडिया में हिंदी.

Unit 3

1. भाषा का बृहत्तर उपयोग.- फेसबुक से लेकर ट्विटर तक.

2. टेलीविजन की भाषा.

3. एफ. एम. रेडियो की हिंगलिश भाषा.

4. हिंदी का अँग्रेजी के साथ मिश्रण.

5. आज की हिंदी

References

1. प्रायोगिक हिंदी- संपादक- प्रो. रमेश गौतम, ओरियंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन, दिल्ली.

2 प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग- दंगल झाल्टे

Additional Resources:

राजभाषा शब्दकोश- हरदेव बाहरी

भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ॰ विनोद कुमार प्रसाद

Teaching Learning Process

60 प्रतिशत सैध्यान्तिकी और 40 प्रतिशत प्रायोगिक. उदाहरण के लिए ब्लाग बनाना, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखना, ऑनलाइन कंटेंट लिखना, वेबसाइट पेज बनाना, अपना हिंदी का यू.आर.एल. सृजित करना आदि.

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

विज्ञान, तकनीक, प्रौद्योगिकी, भाषा, समाज

सृजनात्मक लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार (BAPPHDSE03)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. विद्यार्थियों को सृजनात्मक लेखन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना
2. सृजनात्मक भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना
3. साहित्यिक एवं व्यावसायिक लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

1. सृजनात्मक लेखन की पूरी प्रक्रिया को समझना
2. सृजनात्मक लेखन के विविध रूपों से परिचित होना
3. सृजनात्मक लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता
4. बाज़ार की माँग के अनुसार लेखन कार्य के लिए तैयार होना

Unit 1

सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय

· सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरुप और महत्व

· सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य

· सृजनात्मक लेखन के प्रमुख प्रकार : साहित्यिक एवं व्यावसायिक

Unit 2

सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

· विषय बोध

· गवेषणा (रिसर्च)

· सृजन की विविध विधाएँ

· उद्देश्य के अनुसार विधा का निश्चय

Unit 3

भाषिक योग्यता का विकास

· भाषा की सृजनात्मकता

· सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष: शब्द शक्तियाँ, अलंकरण, सादृश्य-विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, भाषिक कोड, कोड मिश्रण आदि

· साहित्यिक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएँ

· व्यावसायिक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएँ

Unit 4

सृजनात्मक लेखन : अभ्यास

· साहित्यिक लेखन : कविता, कहानी, विधागत अंतरण (जैसे-कथा से संवाद)

· मीडिया लेखन : फिल्म एवं पुस्तक समीक्षाएँ, विज्ञापन, लेख, फ़ीचर, सम्पादकीय

· इन्टरनेट के लिए लेखन : ब्लॉग एवं वेबसाइट

References

1. रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम

2. रचनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह

3. संचार भाषा हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित

Additional Resources:

बदलता समाज मनोविज्ञान और हिंदी, पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी

वर्तमान संदर्भ में हिंदी, मुकेश अग्रवाल

Teaching Learning Process

· कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

· परिचर्चाएँ

· समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषिक शब्दावली

हिंदी के विविध रूप (BAPPHDSE02)Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

1. हिन्दी भाषा के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप की जानकारी के साथ-साथ प्रशासन, मीडिया, साहित्य और सूचना के क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी के विविध रूपों को समझने का अवसर मिलता है|
2. सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी भाषा की वैश्विक उपस्थिति और शिक्षण

Course Learning Outcomes

- हिन्दी भाषा के क्षेत्र विस्तार, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्थिति की जानकारी होगी
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा की अवधारणा और हिन्दी में रोजगार के विकल्पों की जानकारी होगी

Unit 1

1. हिंदी का क्षेत्रगत विस्तार

- भाषा के रूप में हिंदी का विकास और उसके विविध अनुप्रयोग
- साहित्य एवं संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार
- प्रशासनिक भाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी
- हिंदी और हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

Unit 2

2. हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी का स्वरूप

- स्वाधीनता आन्दोलन के दौर में हिंदी इतर भाषा-भाषी क्षेत्रों में हिंदी
- हिंदी इतर क्षेत्रों में हिंदी के अनुप्रयोग
- भूमंडलीकरण, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी भाषा
- रोजगार की स्थितियों, हिंदी इतर क्षेत्र और हिंदी भाषा

Unit 3

3. हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी

- हिंदी का जनपदीय और राष्ट्रीय सन्दर्भ
- हिंदी और क्षेत्रीय बोलियों का अन्तस्संबंध

- राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
- साहित्य, संचार एवं मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी

Unit 4

4. हिंदी का अन्तरराष्ट्रीय सन्दर्भ

- हिंदी का वैश्विक विस्तार
- अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य का परिचय
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी शिक्षण
- वैश्विक स्तर पर प्रकाशित हिंदी की प्रमुख ई-पत्र-पत्रिकाएँ

References

1. हिंदी का विकास और स्वरूप, भाटिया कैलाशचंद्र
2. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ, वर्मा विमलेशकांति
3. भाषा और समाज, शर्मा रामविलास
4. भाषाई अस्मिता और हिंदी, श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ
5. हिंदी भाषा, तिवारी भोलानाथ

Additional Resources:

1. भाषा पत्रिका
2. गवेषणा पत्रिका
3. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान

Teaching Learning Process

सामूहिक चर्चा एवं व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

- विकास
- अनुप्रयोग
- साहित्य
- संचार
- प्रशासनिक
- राजभाषा
- भाषा-भाषी

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान (BAPPHSEC04)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान का परिचय

निर्माण प्रसार और प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देना

Course Learning Outcomes

पारिभाषिक शब्दावली एवं कोश विज्ञान का परिचय, **निर्माण, प्रसार और प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा**

Unit 1

1. पारिभाषिक शब्दावली

स्वरूप, अवधारणा एवं विशेषताएँ

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग का परिचय

विभिन्न क्षेत्र – मानविकी, वाणिज्य, विधि, विज्ञान आदि

अनुप्रयोग की उपादेयता

Unit 2

2. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के संप्रदाय एवं सिद्धांत

पारिभाषिक शब्दावली का इतिहास

पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण-प्रक्रिया

पारिभाषिक शब्दावली की एकरूपता

पारिभाषिक शब्दावली के उपयोग की प्रविधि

Unit 3

3. कोश : अवधारणा एवं प्रकार

अभिप्राय और परिभाषा

उपयोगिता और महत्व

कोश : वर्गीकरण के आधार

भाषाकोश और भाषेतर कोश

Unit 4

4. कोश निर्माण की प्रक्रिया

शब्द संकलन एवं चयन, वर्तनीक्रम

व्याकरणिक कोटि और स्रोत

प्रविष्टि के आधार

शब्द का अर्थ, प्रयोग एवं विस्तार

References

कोश विज्ञान, भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना: प्रकार और रूप, रामचंद्र वर्मा

हिंदी शब्द सागर, नागरी प्रचारिणी सभा, प्रयाग

Additional Resources:

कोश विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, रामआधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग, त्रिभुवननाथ शुक्ल

पारिभाषिक शब्दावली की विकासयात्रा, गार्गी गुप्त

'अनुवाद' त्रैमासिक (कोश विशेषांक) अंक – 94-95

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कोशविज्ञान व अन्य पारिभाषिक शब्दावली

लेखन कौशल : विस्तार एवं संभावनाएं (BAPPHSEC01)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा संबंधी व्यावहारिक जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है । पूरी दुनिया ने वैश्वीकरण के युग में प्रवेश कर लिया है । बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएं लांघ दी हैं । अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है । यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और कंप्यूटर के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा। क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है । साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है । कंप्यूटर एवं अन्य साधनों को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

- विद्यार्थी हिंदी को व्यावहारिक रूप से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा ।
- हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइट्स का प्रयोग कर सकेगा ।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा ।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा ।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है । अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है । यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित हो सकेगा ।
- छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे ।

Unit 1

1. लेखन कौशल के आयाम

- लेखन कौशल : व्यवहार के विभिन्न क्षेत्र – प्रेस, रेडियो, टेलीविजन एवं मल्टी मीडिया
- प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन – समाचार फीचर सम्पादकीय, वार्ता, स्तम्भ एवं साक्षात्कार में प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन
- रेडियो एवं टेलीविजन – उच्चारण की शुद्धता, वॉईस मॉड्युलेशन, वाचन प्रक्रिया, रेडियो के लिए समाचार, वार्ता, रेडियो रूपक आदि, टेलीविज़न के लिए समाचार वाचन कार्यक्रम संयोजन
- मल्टी मीडिया में हिंदी भाषिक अनुप्रयोग मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट, आईपैड, ई-बुक रीडर

Unit 2

2. लेखन कौशल के सर्जनात्मक रूप

- कविता, कहानी, रिपोर्ताज एवं संवाद
- व्यावसायिक लेखन, भाषण, गीत, स्लोगन, होर्डिंग्स, विज्ञापन
- बच्चों के लिए मनोरंजनपरक, साहित्यिक लेखन और खेल संबंधी लेखन
- विज्ञापन कथा और यात्रा साहित्य लेखन की प्रक्रिया

Unit 3

3. लेखन कौशल के आधार – अनुकूल परिस्थितियाँ, विषय का ज्ञान

- •लेखन कौशल प्रक्रिया –विषय वस्तु का चयन
- ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर लेखन
- विज्ञापन कथा और यात्रा साहित्य और यात्रा साहित्य का निर्माण और लेखन कार्य
- लेखन कार्य का प्रूफ – शोधन एवं सम्पादन

Unit 4

4. अंतिम प्रारूप मूल्यांकन

- लेखन संबंधी व्यावहारिक कार्य
- कविता लेखन, कहानी लेखन
- विज्ञापन लेखन, स्लोगन लेखन
- साक्षात्कार की तैयारी

References

1. रचनात्मक लेखन – संपा. रमेश गौतम
2. हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद – डॉ. पूरनचंद टंडन
3. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत और प्रभात रंजन

Additional Resources:

1. टेलीविजन की भाषा – हरीशचंद्र बर्णवाल
2. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी

Teaching Learning Process

सीखने की प्रक्रिया में इस पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देना है । छात्र हिंदी भाषा में नयापन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें । अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें ।प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

लेखन कौशल, मल्टी मीडिया, प्रूफ रीडिंग, सम्पादन, वॉईस मॉड्युलेशन, वाचन प्रक्रिया, वार्ता, रेडियो रूपक, टैबलेट, आईपैड, ई-बुक रीडर , रिपोर्ताज

वेब पत्रकारिता (BAPPHSEC02)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी की वेब पत्रकारिता की समझ

नए क्षेत्रों में कार्य की क्षमता

वेब कंटेंट लेखन

Course Learning Outcomes

हिन्दी वेब पत्रकारिता की स्थिति और आवश्यकताओं को समझना

नए अवसरों और चुनौतियों को जानना

Unit 1

वेब पत्रकारिता : परिचय

इंटरनेट पत्रकारिता और भारतीय समाज

वेब पत्रकारिता – परिभाषा, इतिहास, संचार माध्यम के रूप में वेब पत्रकारिता

न्यू मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता – उपयोगिता, शक्ति एवं सीमाएँ

भूमंडलीकृत संचार-क्रान्ति और हिंदी पत्रकारिता

Unit 2

वेब पत्रकारिता : अंतर्वस्तु निर्माण

वेब पत्रकारिता सामग्री का एकत्रीकरण

वेब कंटेंट लेखन–प्रक्रिया (विषय एवं भाषा)

वेब समाचार निर्माण एवं सम्पादन

वेब कंटेंट का ले-आउट, डिज़ाइन एवं प्रस्तुति

Unit 3

हिंदी पत्रकारिता के प्रमुख वेब पोर्टल : एक परिचय

प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ और उनके वेब पोर्टल

सोशल मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता

ब्लॉग लेखन : फेसबुक, ट्विटर और विविध पत्रिकाएँ

सोशल मीडिया का प्रभाव

Unit 4

वेब पत्रकारिता : व्यावहारिक कार्य

किसी एक हिंदी अखबार के वेब पोर्टल की भाषा का अध्ययन

किसी एक ऑनलाइन समाचार की केस स्टडी

किन्हीं दो प्रमुख हिंदी वेब पोर्टलों की विषय-वस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण

किसी प्रमुख ऑनलाइन पत्रिका के सामाजिक प्रभाव का सर्वेक्षण एवं उसका विश्लेषण

References

1. डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग जर्नलिज्म, जितेन्द्र शर्मा

2. Communication, Technology and development, I.P. Tiwari

Additional Resources:

Net Media and Communication, Jagdish Chakrawarty

Internet Journalism in India, Om Gupta

Mass Media and Information Technology, J.K. Singh

Teaching Learning Process

सामूहिक चर्चा, वेब अध्ययन, लेब और व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

वेब जगत की शब्दावली

हिंदी शिक्षण (BAPPHSEC03)Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिंदी भाषा शिक्षण की प्रकृति, आवश्यकता और उसके सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व को बताना व सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण की भूमिका निर्धारित करना ।
- हिंदी भाषा शिक्षण की विविध विधियों को व्याख्यायित करना एवं चुनौतियों को बताना ।
- हिंदी गद्य और पद्य शिक्षण के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करना ।
- भाषा शिक्षण के परीक्षण और मूल्यांकन के महत्व विद्यार्थियों को बताना ।

- हिंदी कौशल से सम्बंधित विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराना जिससे विद्यार्थी हिंदी भाषा के चारों कौशलों की जानकारी प्राप्त कर सकें ।

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने- पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएंगे :-

1. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम द्वारा भाषा का की सामाजिक भूमिका को समझ सकेगा तथा भारत राष्ट्र में हिंदी भाषा के महत्व को जान सकेगा ।
2. विद्यार्थी प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषाओं के महत्व को भी जान सकेंगे जिसके द्वारा उनमें राष्ट्र के प्रति आस्था उत्पन्न होगी ।
3. किसी भी भाषा के ज्ञान हेतु श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन इन चारों कौशलों का सामान्य ज्ञान होना अति आवश्यक है । इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी हिंदी शिक्षण के इन चारों कौशलों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
4. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के गद्य और पद्य पक्ष के महत्व को समझ सकेंगे जिसके परिणामस्वरुप उनमें हिंदी साहित्य लेखन एवं पठन के प्रति रूचि विकसित हो सकेगी ।
5. भाषा परीक्षण और मूल्यांकन द्वारा भाषा के व्यावहारिक पहलू को देखा जा सकेगा ।

Unit 1

1. भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण : अभिप्राय तथा उद्देश्य
- हिंदी शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक और भाषिक सन्दर्भ
- प्रथम भाषा, मातृभाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 2

2. हिंदी भाषा शिक्षण

- हिंदी की भाषिक संरचना की समझ
- व्याकरण, शब्द, वाक्य, अर्थ
- लेखन, वार्तालाप, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, अपठित गद्यांश
- हिंदी भाषायी कौशल (श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन)

Unit 3

3. हिंदी साहित्य शिक्षण

- साहित्य शिक्षण की विधि
- साहित्य शिक्षण की चुनौतियां और पाठ
- पद्य शिक्षण
- गद्य शिक्षण

Unit 4

4. भाषा – परीक्षण और मूल्यांकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा – मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षा के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

References

1. भाषा शिक्षण- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. अन्य भाषा –शिक्षण के कुछ पक्ष – संपा. अमर बहादुर सिंह
3. भाषा – शिक्षण- भोलानाथ तिवारी

4. भाषा : स्वरुप और संरचना- हेमचंद पांडे

Additional Resources:

1. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्ण कुमार गोस्वामी
2. हिंदी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी : शब्द-अर्थ-प्रयोग – हरदेव बाहरी
4. भाषा –शिक्षण –लक्ष्मीनारायण शर्मा

Teaching Learning Process

कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (Skill Enhancement Course) को ठीक प्रकार से संचालित करने हेतु 'सिद्धांत पक्ष' के साथ-साथ 'प्रायोगिक पक्ष' पर भी ध्यान देना आवश्यक है । पी.पी.टी (power point presentation) तथा दृश्य-श्रव्यसंबंधी इत्यादि साधनों के द्वारा पाठ्यक्रम को प्रभावी बनाया जा सकता है जिसके माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा के शिक्षण में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता अर्जित कर सकें । प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है -

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

'शिक्षण', 'अवधारणा', 'अनुप्रयुक्त', 'कौशल', 'स्वरुप', 'परीक्षण', 'मूल्यांकन', 'प्रारूपण', 'टिप्पण', 'संकल्पना', 'संक्षेपण', 'प्रयोजन', 'पल्लवन', 'प्रारूपण',

कम्प्यूटर और हिंदी (BAPPHGE01)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी में कंप्यूटर पर काम करने की क्षमता विकसित करना

विभिन्न समस्याओं संभावनाओं से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

कंप्यूटर पर हिन्दी से संबन्धित रोजगार के लिए तैयार होना

व्यावहारिक ज्ञान होना

Unit 1

1. भाषा और प्रौद्योगिकी : एक अंतर्संबंध

कम्प्यूटर और भारतीय भाषाएँ

कम्प्यूटर और हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग

हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर

Unit 2

2. कम्प्यूटर और हिंदी

हिंदी फॉण्ट का अनुप्रयोग : यूनीकोड से पूर्व एवं उसके पश्चात

देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं विकास

हिंदी कीबोर्ड का स्वरूप एवं विकास

हिंदी वेब डिजाइनिंग, हिंदी वेबसाइटस और हिंदी ई-पोर्टल

Unit 3

3. कम्प्यूटर, हिंदी लेखन एवं प्रकाशन

हिंदी ई-पत्र-पत्रिकाएँ (विषय वस्तु एवं भाषिक विश्लेषण)

हिंदी ब्लॉग लेखन

हिंदी विकीपीडिया लेखन

कम्प्यूटर और हिंदी विज्ञापन लेखन

Unit 4

4. कम्प्यूटर एवं हिंदी के अन्य आयाम

ऑन-लाइन सेवाएँ और हिंदी

ई-लर्निंग और हिंदी

ई-गवर्नेंस एवं राजभाषा हिंदी की स्थिति

कम्प्यूटरकृत हिंदी भाषा का अध्ययन

References

कम्प्यूटर : एक परिचय, सं. संतोष चौबे

इंटरनेट, शशि शुक्ला

इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास, (ब्रूस स्टर्लिंग) दीवान-ए-सराय 01, वाणी प्रकाशन

Additional Resources:

वाक : अंक (तीन) वाणी प्रकाशन

कम्प्यूटर के भाषिक प्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा

तकनीकी सुलझनें, बालेन्दु शर्मा दधीचि

Teaching Learning Process

कम्प्यूटर लेब, कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कम्प्यूटर शब्दावली

जनमाध्यम और हिंदी (BAPPHGE04)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी जनमाध्यमों की स्थिति, संभावनाएं और चुनौतियों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

व्यावसायिक पत्रकारिता की जानकारी

जनमत की महत्ता, सत्ता के सरोकार की समझ विकसित होगी

Unit 1

1. हिंदी जनमाध्यम : परिचय, अवधारणा और सिद्धांत

जनमाध्यमों का स्वरूप और प्रकार

जनमाध्यमों की कार्यशैली, उद्देश्य और अपेक्षाएँ

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में जनमाध्यम सैद्धांतिकी

प्रोपेगैण्डा, जनमाध्यम और बाजार

Unit 2

2 हिंदी जनमाध्यम : स्वरूप विस्तार

स्वतंत्रता पूर्व जनमाध्यमों का परिचय (विभिन्न समाचार पत्रों और रेडियो के संदर्भ में)

व्यावसायिक पत्रकारिता का विस्तार (हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ तथा श्वेत-श्याम टेलीविज़न)

खबरिया चैनल और केबल नेटवर्किंग

हिंदी जनमाध्यम और स्वामित्व का प्रश्न

Unit 3

3. जनमत-निर्माण में जनमाध्यम की भूमिका

'जन' की अवधारणा

जनमत की महत्ता

जनमत और सत्ता के सरोकार

जनमत, प्रचार और प्रभाव

Unit 4

4. जनमाध्यम और हिंदी

ग्रामीण क्षेत्र और हिंदी जनमाध्यम – (रिपोर्टिंग, समाचार, फीचर, लाइव-दृश्य, साक्षात्कार)

रोजगार और कृषि संबंधी हिंदी के समाचार पत्र और चैनल

स्थानीय समस्याएँ, संसदीय प्रतिनिधित्व

सांस्कृतिक पत्रकारिता और हिंदी

References

जनमाध्यम सैद्धांतिकी, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह

मॉस कम्युनिकेशन, डेनिस मैक्वेल

Additional Resources:

जनमाध्यम, पीटर गोल्डिंग

सूचना समाज, अर्मांड मै. लार्ड

द प्रॉसेस एंड एफेक्ट्स ऑफ़ मॉस कम्युनिकेशन, विलवर

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा और जनमाध्यमों के प्लैटफ़ार्म का अवलोकन

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

जनमाध्यमों की शब्दावली

विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी (BAPPHGE02)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : परिचय

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्त्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन और बाज़ार का अंत:संबंध

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन: माध्यम एवं कॉपी लेखन

- विज्ञापन कॉपी के अंग: शीर्षक, उपशीर्षक, बॉडी कॉपी, चित्र, ट्रेडमार्क, लेआउट, स्लोगन
- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप
- वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण
- रेडियो जिंगल लेखन
- टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन लेखन एवं भाषा-शैली

· विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ

· विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ई-विज्ञापनों की भाषा

विभिन्न माध्यमों में विज्ञापन की शैली

Unit 4

इकाई - 4 विज्ञापन संबंधी व्यवहारिक कार्य

- प्रिंट मीडिया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
- रडियो के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण
- टेलीविज़न के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Additional Resources:

Additional Resources:

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली-खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

· www.adbrands.net

· www.afaqs.com

· www.adgully.com

· www.cnbc.com

· www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ (BAPPHGE03)Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

छात्रों को हिंदी में कार्टून, डबिंग और ग्राफिक बाल कथाएँ, पाठ्यक्रम पढ़ाने का उद्देश्य उनकी रचनात्मकता, बौद्धिकता और सहजबोध को विकसित करना है.

हास्य, व्यंग्य और ज्ञान के विषयों को कार्टून, डबिंग और ग्राफ़िक्स के माध्यम से भली प्रकार और रुचिपूर्वक छात्रों के समक्ष रखा जा सकता है.

ऐतिहासिक, पौराणिक तथा सामाजिक सन्दर्भों को बखूबी इस पेपर में पढ़ाया जा सकता है.

Course Learning Outcomes

कार्टून डबिंग ग्राफिक की स्थिति का अध्ययन

रोजगारपरक कार्यक्रम

नई संभावनाओं और चुनौतियों को समझना

Unit 1

1. कार्टून : स्वरूप और अवधारणा

हिंदी कार्टून की विकास यात्रा : सामान्य परिचय

हिंदी के समाचार पत्रों में कार्टून का प्रयोग, स्थान आकार और कथ्य

कार्टून की अंतर्वस्तु का विश्लेषण और हिंदी के महत्वपूर्ण कार्टूनिस्ट

कार्टून के प्रकार और महत्व

Unit 2

डबिंग

हिंदी में डबिंग : आवश्यकता और स्वरूप

हिंदी सिनेमा और डबिंग

हिंदी के कार्टून चैनल और डबिंग कार्यक्रम

हिंदी में ज्ञान-विज्ञान के कार्यक्रमों में डबिंग

Unit 3

3 ग्राफिक बाल-कथाओं का स्वरूप और विकास

हिंदी की ग्राफिक बाल कथाओं का स्वरूप और विकास

ग्राफिक कथाएँ और बाल-मनोरंजन, सूचना तथा भाषा-निर्माण

हिंदी की प्रमुख ग्राफिक बाल पत्रिकाएँ

अंतर्वस्तु विश्लेषण

Unit 4

4. रचना-प्रक्रिया एवं व्यावहारिक कार्य

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कार्टून का विवेचन और दिए गए विषय पर कार्टून निर्माण

किसी डब कार्यक्रम की भाषा का विश्लेषण

किसी सिनेमा या धारावाहिक की डबिंग की समीक्षा

ज्ञान-विज्ञान के डव कार्यक्रमों में परिवेश, संस्कृति और भाषा की समीक्षा

References

डिस्टॉर्टेड मिरर, आर. के. लक्ष्मण

ब्रशिंग अप द इयर्स : ए कार्टूनिस्ट हिस्ट्री ऑफ़ इण्डिया, आर. के. लक्ष्मण

फोटोशॉप एलिमेंट-2 (स्पेशल इफेक्ट), अल्वार्ड

Additional Resources:

फोटोशॉप-6, स्टीव रोमानिलो

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कार्टून डबिंग लेब

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

कार्टून डबिंग ग्राफिक शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क) (BAPPHMILA01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) मीराबाई की पदावली. संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी. हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग.चौदहवां संस्करण 1892.सन् 1970 ई. पद 1. 4. 5. 6.

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006 दोहा 381. 435. 438. 439.491

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्री तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

दिनकर - मेरे नगपति मेरे विशाल

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

राजभाषा , राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, इतिहास, काव्य, साहित्यिकता, मध्यकालीनता आधुनिकता आदि

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख) (BAPPHMILB01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास का अध्ययन

प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन - विश्लेषण

Course Learning Outcomes

हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

- आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
- हिंदी का उद्भव : सामान्य परिचय
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
- हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

Unit 2

इकाई- 2 : भक्तिकालीन कविता

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली : संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ; उन्नीसवाँ संस्करण ; सं. 2054 वि.

· पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ .....

· कस्तूरी कुंडली बसै.....

· यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान....

· सात समुद की मसि करूँ....

· साधु ऐसा चाहिए

· सतगुरु हमसूं रीझकर....

2. तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

इकाई-3 : रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :

· बतरस लालच लाल की .....

· याँ अनुरागी चित्त की ....

· सटपटाति-सी ससिमुखी .....

(ख) भूषण :

· इंद्र जिमि जंभ पर .....

· साजि चतरंग सैन .....

Unit 4

इकाई-4 : आधुनिक कविता

· सुभद्रा कुमारी चौहान – 'बालिका का परिचय'

· निराला – वर दे वीणावादिनी .....

References

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

Additional Resources:

हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिन्दी का लोक : कुछ रस , कुछ रंग - डॉ॰ रसाल सिंह

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

साहित्य और भाषा की शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग) (BAPPHMILC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिन्दी भाषा और साहित्य का परिचय
- प्रमुख रचनाएँ और उनका विश्लेषण

Course Learning Outcomes

- हिन्दी भाषा और साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी
- प्रमुख रचनाएँ और उनकी विश्लेषण क्षमता विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य

- हिंदी भाषा का सामान्य परिचय
- हिंदी का भौगोलिक विस्तार
- हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकालीन और मध्यकालीन प्रवृत्तियाँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास :आधुनिककालीन प्रवृत्तियाँ

Unit 2

भक्तिकालीन कविता

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े ....

निंदक नियरे राखिए ....

कबीर संगति साधु की ....

माला फेरत जुग भया ....

पाहन पूजै हरि मिले .....

बृच्छ कबहूँ न फल भखैं ....

सूरदास

मैया मै नहिं माखन खायौ ....

ऊधों मन न भए दस – बीस ....

Unit 3

बिहारी

मेरी भाव बाधा हरौ...

कनक कनक ते सौ गुनी ...

थोड़े ही गुन रीझते ....

कहत नटत रीझत खिझत...

घनानंद

अति सूधो सनेह को मारग ...

रावरे रूप की रीती अनूप ....

Unit 4

मैथिलीशरण गुप्त – नर हो न निराश करो ....

सुमित्रानंदन पंत –आह धरती कितना देती है .....

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास –रामचंद्र शुक्ल
- कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- तुलसीदास काव्य – मीमांसा –उदयभानु सिंह
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स - रसाल सिंह

Additional Resources:

- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- बिहारी की वाग्विभूति –विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक शब्दावली

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क) (BAPPHMILA02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास का परिचय

प्रमुख रचनाएँ : विश्लेषण

Course Learning Outcomes

गद्य साहित्य का परिचय प्राप्त होगा

विशिष्ट रचनाएँ और विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - नमक का दारोगा

जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार

मोहन राकेश - मलबे का मालिक

मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल

विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

संस्मरण - घीसा - महादेवी वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरीशंकर परसाई

यात्रा - विद्रोह की पगडंडी : मीरां के देश मे एक नास्तिक- पंकज बिष्ट

नाटक - जिस लाहौर नइ देख्या - असगर वजाहत

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र वर्मा

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र

महादेवी - दूधनाथ सिंह

Additional Resources:

आंखिन देखि - कमला प्रसाद

खरामा - खरामा - पंकज बिष्ट

कथेतर - माधव हाड़ा

गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

गद्य साहित्य से संबन्धित शब्दावली

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख) (BAPPHMILB02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

●10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों को हिंदी गद्य साहित्य के विकास की जानकारी देना

Course Learning Outcomes

● व्यक्तित्व विकास में सहायक

● अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

Unit 1

● हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

● हिंदी के मुख्य गद्य रूपों का सामान्य परिचय (

उपन्यास , कहानी, नाटक, निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, रेखाचित्र)

Unit 2

● प्रेमचंद- बूढी काकी

● जयशंकर प्रसाद- गुंडा

● चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था

Unit 3

● बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊंट

● भारतेंदु - वैष्णवता और भारतवर्ष

● हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव

Unit 4

● भारतेंदु - अंधेर नगरी

● महादेवी वर्मा - बिबिया

References

◆ हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी

◆ हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह

◆ निबंधों की दुनिया- विजयदेव नारायण साही, निर्मल जैन

Additional Resources:

◆ निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय, निर्मल जैन/ अनिल राय

◆ छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

◆ हिंदी रेखाचित्र - हरवंश लाल शर्मा

www.gadykosh.com

www.hindisamay.com

http://hanshindimagazine.in

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

● लिखित परीक्षा

● आंतरिक मूल्यांकन पद्धति

Keywords

गद्य, विकास, इतिहास, उपन्यास, कहानी, निबंध, नाटक, रंगमंच, रंगकर्म,

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग) (BAPPHMILC02)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना
- विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

- हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा
- कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

- हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
- हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

- प्रेमचंद – ईदगाह
- भीष्म साहनी - चीफ़ की दावत

Unit 3

- बालकृष्ण भट्ट – ज़बान
- शरद जोशी – होना कुछ नहीं का

- शिवपूजन सहाय -गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ

Unit 4

- महादेवी वर्मा – गिल्लू
- विष्णु प्रभाकर – वापसी
- विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे? (गाँव स्नान करने चलोगे' पुस्तक से अंश)

References

- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह
- निबंधो की दुनिया : विजयदेव नारायण साही - निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

Additional Resources:

- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
- निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;- निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

हिन्दी भाषा और साहित्य की शब्दावली

हिंदी भाषा योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम (एम.आई.एल.) (BAPPHAECC01)Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय

विभिन्न माध्यमों की जानकारी

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व

रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व समझने के साथ-साथ विद्यार्थी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन, वाचन, पठन में भी सक्षम हो सकेंगे |

Unit 1

भाषिक सम्प्रेषण: स्वरूप और सिद्धांत

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

सम्प्रेषण की प्रक्रिया

सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल

सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

Unit 2

सम्प्रेषण के प्रकार

मौखिक और लिखित

वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक

भ्रामक सम्प्रेषण

सम्प्रेषण की बाधाएँ और रणनीति

प्रभावी सम्प्रेषण

Unit 3

सम्प्रेषण के माध्यम

एकालाप और संलाप

संवाद

सामूहिक चर्चा

मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया, एस.एम्.एस., इंटरनेट, फीडबैक

Unit 4

मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

बोलना : वाद-विवाद, भाषण, समाचार, वॉयस ओवर, आशु प्रस्तुति

लिखना: पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन, पल्लवन, निबन्ध

पढ़ना: उच्चारण, वाक्य गठन, कविता पठन, नाट्यांश पठन

समझना: कथन, विश्लेषण, व्याख्या, अन्वय

References

हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्यानिवास मिश्र

संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Additional Resources:

कुछ पूर्वग्रह -अशोक वाजपेयी

भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

1 से 3 सप्ताह - इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह - इकाई - 2

7 से 9 सप्ताह - इकाई - 3

10 से 12 सप्ताह - इकाई – 4

13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विशेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

भाषाविज्ञान की शब्दावली, सम्प्रेषण